भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.03.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2998 का उत्तर

महाराष्ट्र के जनजातीय/दूरस्थ जिलों में रेल संपर्क

2998. श्रीमती सुप्रिया सुले:

श्री भास्कर मुरलीधर भगरे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महाराष्ट्र के कई जनजातीय और दूरस्थ जिले अपर्याप्त रेल संपर्क की समस्या का सामना कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो ऐसे बिना सेवित और अल्पसेवित जनजातीय जिलों के नाम क्या हैं;

(ग) क्या इन जिलों में नई लाइनों, दोहरीकरण, विद्युतीकरण अथवा आमान परिवर्तन के माध्यम से रेल संपर्क में सुधार करने के लिए कोई समयबद्ध कार्य योजना तैयार की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या महाराष्ट्र सरकार से जनजातीय और पिछड़े क्षेत्रों में रेल के विस्तार या उन्नयन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं और यदि हां, तो ऐसे प्रस्तावों के अनुमोदन और निष्पादन की वर्तमान स्थिति सहित ब्यौरा क्या है;

(ङ) महाराष्ट्र के जनजातीय क्षेत्रों में चल रही रेल परियोजनाओं की जिला-वार स्थिति क्या है और इनकी भौतिक/वित्तीय प्रगति क्या है और इसमें विलंब के क्या कारण हैं;

(च) क्या जनजातीय जिलों में परियोजनाओं को पूरा करने के लिए विशिष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) भूमि अधिग्रहण में लगातार हो रहे विलंब, निधियन की कमी और लागत में वृद्धि को दूर करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): पिछले पांच वर्षों में बजट आवंटन में काफी वृद्धि हुई है। महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशत: पड़ने वाली ऐसी अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों के लिए बजट

आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रुपए (20 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण

वर्ष 2009-14 और वर्ष 2014-25 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने के कार्यों का ब्यौरा निम्नानुसार हैं:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथों की औसत कमिशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी./वर्ष
2014-25	2,292 कि.मी.	208.36 कि.मी./वर्ष (3 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं

दिनांक 01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, 89,780 करोड़ रुपए की लागत पर महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली कुल 5,098 किलोमीटर लंबाई की 38 परियोजनाओं (11

नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) दूरस्थ और आदिवासी क्षेत्र शामिल हैं, स्वीकृत किया गया है, सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	2	609	334	4,286
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	25	3,134	1,792	24,617
कुल	38	5,098	2,360	39,407

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ रु. में)
1.	पुणे-मिराज-लोंडा दोहरीकरण (467 कि.मी.)	4,670
2.	जबलपुर-गोंदिया आमान परिवर्तन (300 किलोमीटर)	2,005
3.	छिंदवाड़ा-नागपुर आमान परिवर्तन (150 किलोमीटर)	1,512
4.	पनवेल-पेन दोहरीकरण (35 किलोमीटर)	263
5.	पेन-रोहा दोहरीकरण (40 किलोमीटर)	330
6.	उधना-जलगांव दोहरीकरण (307 किलोमीटर)	2,448
7.	मुदखेड-परभणी दोहरीकरण (81 किलोमीटर)	673
8.	भुसावल-जलगांव तीसरी लाइन (24 किलोमीटर)	325
9.	जलगांव-भुसावल चौथी लाइन (24 किलोमीटर)	261
10.	दौंड-गुलबर्गा दोहरीकरण (225 किलोमीटर)	3,182

चालू परियोजनाएं

महाराष्ट्र में रेल अवसंरचना में और सुधार लाने के लिए निम्नलिखित निर्माण कार्य शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1.	अहिल्यानगर-बीड-परली वैजनाथ नई लाइन (261 किलोमीटर)	4,957
2.	बारामती-लोनंद नई लाइन (64 किलोमीटर)	1,844
3.	वर्धा-नांदेड़ नई लाइन (284 किलोमीटर)	3,445
4.	मनमाड-इंदौर नई लाइन (360 किलोमीटर)	18,529
5.	वडसा-गढ़चिरौली नई लाइन (52 किलोमीटर)	1,886
6.	जालना-जलगांव नई लाइन (174 किलोमीटर)	5,804
7.	दौंड-मनमाड दोहरीकरण (236 किलोमीटर)	3,037
8.	कल्याण-कसारा - तीसरी लाइन (68 किलोमीटर)	1,433
9.	वर्धा-नागपुर तीसरी लाइन (76 किलोमीटर)	698
10.	वर्धा-बल्हारशाह तीसरी लाइन (132 किलोमीटर)	1,385
11.	इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन (280 किलोमीटर)	2,450
12.	राजनांदगांव-नागपुर तीसरी लाइन (228 किलोमीटर)	3,545
13.	वर्धा-नागपुर चौथी लाइन (79 किलोमीटर)	1,137
14.	जलगांव-मनमाड चौथी लाइन (160 किलोमीटर)	2,574
15.	भुसावल-खंडवा तीसरी और चौथी लाइन (131 किलोमीटर)	3,285
16.	सोलापुर-तुलजापुर-उस्मानाबाद नई लाइन (95 किलोमीटर)	2,933
17.	पनवेल-चौक दोहरीकरण (17 किलोमीटर)	491
18.	वर्धा-बल्हारशाह चौथी लाइन (135 किलोमीटर)	2,226
19.	इटारसी-नागपुर चौथी लाइन (297 किलोमीटर)	5,010
20.	वर्धा-भुसावल तीसरी और चौथी लाइन (314 किलोमीटर)	9,197
21.	आसनगांव-कासरा चौथी लाइन (35 किलोमीटर)	794
22.	बादलपुर-करजत तीसरी और चौथी लाइन (32 किलोमीटर)	1,324
23.	गोंदिया-डोंगरगढ़ चौथी लाइन (84 किलोमीटर)	2,223
24.	गोंदिया- बल्हारशाह दोहरीकरण (240 किलोमीटर)	4,819

महाराष्ट्र में फ्लैग्शिप हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना के निर्माण कार्य में गति आई है। अब भूमि अधिग्रहण का 100% कार्य पूरा हो गया है। पुलों, एक्वाडक्ट आदि का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 किलोमीटर) एकमात्र एचएसआर परियोजना है जो निष्पादनाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों और दादरा और नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश से होकर गुजर रही है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना है।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) का अधिग्रहण कर लिया गया है। सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगिताओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण यह परियोजना वर्ष 2021 तक प्रभावित हुई है। महाराष्ट्र में 2022 में भूमि अधिग्रहण कार्य में गति आई।

अब तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति इस प्रकार है:

गुजरात (352 किलोमीटर):

मद	प्रगति
नींव	352 किलोमीटर
पियर	352 किलोमीटर
गर्डर कास्टिंग	342 किलोमीटर
गर्डर लॉन्चिंग	331 किलोमीटर

ट्रैक बैड का निर्माण	152 किलोमीटर
ओएचई मास्ट का उत्थापन	121 किलोमीटर

महाराष्ट्र (156 किलोमीटर):

मद	प्रगति
नींव	84 किलोमीटर
पियर	75 किलोमीटर
गर्डर कास्टिंग	12 किलोमीटर
गर्डर लॉन्चिंग	5 किलोमीटर

कुल 12 स्टेशनों में से, 8 स्टेशनों (वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती) पर नींव संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। महाराष्ट्र खंड में, 3 स्टेशनों (ठाणे, विरार, बोईसर) पर नींव संबंधी कार्य प्रगति पर हैं और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर खुदाई का कार्य पूरा होने वाला है तथा बेस स्लैब की कास्टिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

17 नदी पुलों का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। गुजरात में 4 प्रमुख नदी पुलों (नर्मदा, माही, ताप्ती और साबरमती) के लिए कार्य अंतिम चरण में है और महाराष्ट्र में 4 नदी पुलों में कार्य प्रगति पर है। डिपो (ठाणे, सूरत और साबरमती) पर कार्य तीव्र गति से चल रहा है।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में सिविल कार्य संतोषजनक ढंग से चल रहे हैं। खुदाई कार्यों में लगभग 91% प्रगति की गई है, और कंक्रीट कार्य विभिन्न चरणों में हैं, जिसमें लेवल-4 पर बेसमेंट स्लैब का 100% कार्य पूरा कर लिया गया है। समुद्र के नीचे सुरंग (लगभग 21 किलोमीटर) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 किलोमीटर सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

निर्बाध यात्री संपर्कता सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने बुलेट ट्रेन स्टेशनों के मौजूदा मुंबई उपनगरीय रेलवे नेटवर्क और आगामी मेट्रो लाइनों के साथ मल्टीमॉडल एकीकरण की योजना बनाई है। एकीकरण में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स स्टेशन पर सुविधाजनक पैदल यात्री पहुंच के माध्यम से मेट्रो लाइन-2बी और मेट्रो लाइन-3 के साथ यात्री संपर्कता शामिल है।

बुलेट ट्रेन परियोजना एक अत्यंत जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान परियोजना है। सिविल संरचनाओं, रेलपथ, बिजली, सिगनल व्यवस्था और दूरसंचार के सभी संबद्ध कार्यों के पूरा होने और ट्रेन सेटों की आपूर्ति के बाद ही परियोजना को पूरा करने की सटीक समय-सीमा का यथोचित निर्धारण किया जा सकता है।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर:

पश्चिमी समर्पित माल गलियारा महाराष्ट्र से भी होकर गुज़रता है। पश्चिमी समर्पित माल गलियारे का लगभग 178 मार्ग किलोमीटर महाराष्ट्र में है, जो पश्चिमी समर्पित माल गलियारे के मार्ग की कुल लंबाई का लगभग 12% है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड़ से न्यू वैतरना तक इस परियोजना के 76 किलोमीटर को पहले ही कमीशन कर दिया गया है। शेष कार्यों को शुरू कर दिया गया है। पश्चिम समर्पित माल गलियारे को जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट से जोड़ने से बंदरगाह से दिल्ली एनसीआर तक कार्गो और कंटेनर यातायात संभालने की क्षमता में संवर्धन होगा।

मुंबई क्षेत्र में रेलगाड़ी संभलाई क्षमता का संवर्धन:

वर्तमान में, मुंबई क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 120 आरंभिक मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियां और लगभग 3200 उपनगरीय रेलगाड़ियां परिचालित की जाती हैं। मुंबई क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर रेलगाड़ी प्रबंधन क्षमता बढ़ाने के लिए, निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं/शुरू किए गए हैं/योजना बनाई गई है:

क्र.सं.	स्थान	विवरण

1	बांद्रा टर्मिनस	3 पिट लाइनों का कार्य पूरा कर लिया गया है
2	मुंबई सेंट्रल	24 एलएचबी सवारी डिब्बों के लिए प्लेटफार्म का विस्तार
3	जोगेश्वरी	2 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
4	दादर	1 अतिरिक्त प्लेटफ़ॉर्म
5	वसई रोड	6 प्लेटफॉर्म, 3 पिट लाइनें और 5 स्टेबलिंग लाइनें
6	पनवेल-कलम्बोली	5 प्लेटफॉर्म, 4 पिट लाइनें और 2 सिक लाइनें
7	कल्याण	6 प्लेटफ़ॉर्म और 4 पिट लाइनें
8	एलटीटी	4 प्लेटफ़ॉर्म और 2 पिट लाइनें
9	परेल	6 प्लेटफ़ॉर्म, 5 पिट लाइनें, 6 स्टेबलिंग लाइनें
10	विरार	25 स्टेबलिंग लाइनें
11	दहाणू रोड	11 स्टेबलिंग लाइनें
12	मीरा रोड	25 स्टेबलिंग लाइनें

उपर्युक्त के अतिरिक्त, 15 कार वाली ईएमयू को समायोजित करने के लिए 34 स्टेशनों पर प्लेटफार्म विस्तार का कार्य शुरू किया गया है।

पुणे क्षेत्र के लिए क्षमता संवर्द्धन कार्य

वर्तमान में पुणे क्षेत्र में लगभग 33 आरंभिक मेल/एक्सप्रेस गाड़ियां सम्हाली जाती हैं।

पुणे क्षेत्र के विभिन्न स्टेशनों पर गाड़ी परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए, विभिन्न स्टेशनों पर निम्नलिखित कार्य पूरे किए गए हैं / शुरू किए गए हैं /योजना बनाई गई है:

क्र.सं.	स्थान	विवरण
1	पुणे जंक्शन	6 अतिरिक्त प्लेटफार्म और 5 प्लेटफार्मों का विस्तार
2	हडपसर	पूरी लंबाई की गाड़ियां खड़ी करने के लिए 3 प्लेटफार्मों का विस्तार
3	खड़की	जुलाई 2025 में प्लेटफार्म 3/4 की ऊंचाई बढ़ाना और विस्तार करना
4	अलांदी	9 अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, 8 पिट लाइन और 8 स्टेबलिंग लाइनों के साथ नया कोचिंग टर्मिनल
5	फुरसुंगी	फुरसुंगी में 5 स्टेबलिंग लाइनें

उपरोक्त के अलावा, पुणे क्षेत्र में गाड़ी सम्हलाई क्षमता बढ़ाने के लिए निम्नलिखित क्षमता संवर्द्धन के अतिरिक्त कार्य शुरू किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना का नाम
1	हडपसर और घोरपुरी यार्ड के बीच तीसरी लाइन
2	मंजरी भद्रुकिन पुणे-दौंड रेल खंड में नया ब्लॉक स्टेशन और पुणे-सासवड सेक्शन में रामटेकडी
3	पुणे सासवड रोड खंड में द्वि-दिशात्मक सिगनल प्रणाली

इसके अलावा, पिछले तीन वित्त वर्षों 2022-23, 2023-24, 2024-25 में और वर्तमान वित्त वर्ष 2025-26 में महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशत: पड़ने वाली 8615 कि.मी. की कुल लंबाई वाले 98 सर्वेक्षण कार्यों (29 नई लाइन, 2 आमान परिवर्तन और 67 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है।

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वन संबंधी मंजूरी
- बाधक जनोपयोगी सुविधाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक मंजूरियाँ
- क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक स्थिति
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति
- विशिष्ट परियोजना स्थल के लिए वर्ष में कार्य करने वाले महीनों की संख्या आदि

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- प्रत्याशित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता

- परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम मील कनेक्टिविटी
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/सार्वजनिक प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालन संबंधी आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व
- निधियों की समग्र उपलब्धता

रेल परियोजनाओं के प्रभावी और त्वरित कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों में निम्नलिखित शामिल है:-

- निधियों के आवंटन में पर्याप्त वृद्धि।
- फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी।
- शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव मंजूरी के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकरणों के साथ नियमित अनुवर्ती कार्रवाई और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को हल करना।

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण से स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणों में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों तरफ के साथ एकीकरण

- रेलवे स्टेशन इमारत में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉन्कोर्स की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/निर्माण और प्लेटफ़ॉर्म पर कवर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र, यातायात के विभिन्न साधनों का एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्दिष्ट स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधानों; आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के लिए गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में रेलवे स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की संकल्पना भी की गई है।

अभी तक इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1337 स्टेशन चिह्नित किए गए हैं जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	संख्या	स्टेशनों के नाम
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अकालकोट रोड, अकोला, अकुर्दी, अमलनेर, आमगांव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली,

		भायखला, चालीसगांव, चंदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति संभाजीनगर, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवड़, दादर (मध्य रेलवे), दादर (पश्चिम रेलवे), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामनगांव, धरनगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधानी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हटकनंगले, हजूर साहिब नांदेड़, हिमायतनगर, हिंगनघाट, हिंगोली डेक्कन, इगतपुरी, जलगांव, जालना, जेउर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कैम्पटी, कांदिवली, कांजुर मार्ग, कराड, कटोल, केडगांव, किनवट, कोपरगांव, कुर्दुवाड़ी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगांव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावला, लोअर परेल, मालाड, मलकापुर, मनमाड जंक्शन, मानवथ रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नागरसोल, नागपुर जंक्शन, नंदगांव, नंदुरा, नंदुरबार, नारखेर जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, पचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परली वैजनाथ, पर्तुर, फलटन, प्रभादेवी, पुलगांव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईनगर शिरडी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलु, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तालेगांव, ठाकुरली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाथर।

स्टेशन जहां कार्य पूरा हो गया है:

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य अच्छी गति से किए जा रहे हैं। अब तक इस योजना के तहत महाराष्ट्र में 17 स्टेशनों (आमगांव,

बारामती, चांदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नंदुरा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहाद, वडाला रोड) का कार्य पूरा हो चुका है।

अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी विकास संबंधी कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और इनमें से कुछ रेलवे स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

• दिवा स्टेशन: स्टेशन भवन, परिचलन क्षेत्र और पूर्व की ओर पार्किंग में सुधार, नया प्रवेश द्वार, प्लेटफार्म संख्या 5/6 और 7/8 की ऊंचाई बढ़ाना और सतह संबंधी कार्य, प्लेटफार्म संख्या 7/8 पर शेल्टर, नया शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की ओर सीवेज शोधन संयंत्र, कल्याण और मुंबई छोर पर ऊपरी पैदल पुल का सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। नया 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• मुंब्रा स्टेशन: प्लेटफार्म सतह में सुधार, बैठने की व्यवस्था, नया शौचालय ब्लॉक, टिकट कार्यालय में सुधार, परिचलन क्षेत्र, सीवेज शोधन संयंत्र और ऊपरी पैदल पुल की सतह का कार्य पूरा किया जा चुका है। एस्केलेटर का कार्य शुरू किया गया है।

• टिटवाला स्टेशन: स्टेशन भवन, प्रवेश द्वार, प्लेटफॉर्म की सतह, टिकट बुकिंग कार्यालय का सुधार कार्य, शौचालय ब्लॉक, सीवेज शोधन संयंत्र, दोपहिया पार्किंग और पूर्व व पश्चिम दिशा की पहुँच सड़क के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए 6 मीटर ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।

• विक्रोली स्टेशन: पश्चिम दिशा पर स्टेशन भवन का सुधार, प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, मुंबई छोर पर नया शौचालय ब्लॉक, कल्याण छोर पर शौचालय ब्लॉक का सुधार

और ऊपरी पैदल पुल के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए बुकिंग कार्यालय, पूर्व और पश्चिम दिशा में परिचलन क्षेत्र और पूर्व दिशा पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

• इगतपुरी स्टेशन: नए स्टेशन भवन का संरचना संबंधी कार्य, मौजूदा स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्रवेश द्वार, बुकिंग कार्यालय, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म की सतह, प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र और सीवेज शोधन संयंत्र के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिया गया है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण निरंतर चलने वाली सतत् प्रक्रिया है तथा इस संबंध में कार्य परस्पर प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किए जाते हैं। कार्यों को स्वीकृत और निष्पादित करते के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी जाती है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग की स्वीकृति, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

सामान्यतः अमृत भारत स्टेशन योजना सहित रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार या रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। महाराष्ट्र चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 3,834 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अब तक (जनवरी, 2026 तक) 3,461 करोड़ रुपए का व्यय उपगत किया गया है।

******